16.04.25 पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय में अधिवक्ता ~~प्रार्थी~~ प्रार्थी एवं प्रार्थीगण के नाम से अलग-अलग समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई। कोई उपस्थित नहीं।

इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण अपने प्रार्थना-पत्र को लेकर गंभीर नहीं है।

लिहाजा प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र अदम-पैरवी व अदम-हाजिरी में इसी स्तर पर खारिज किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो व नम्बर से कम हो।

सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रेक) बाड़मेर

Signature Not Verified

Digitally signed by Veerma Ram
Date: 2025.06.05 15:34:02 IST
Reason: SelfAttested